

24.2.21

पताचली पैरा ड्रई। एरी व उनके डामिमाकल की  
तीन-चार बार भावाळ अशबाई शई, कोई उपस्थित नई  
हुआ। लिखाण पताचली भास झाजरी व अडम पैरा में  
स्वादेश की जाती है। पताचली फेसल शुमार डेकर पारिल  
दफतर है।

